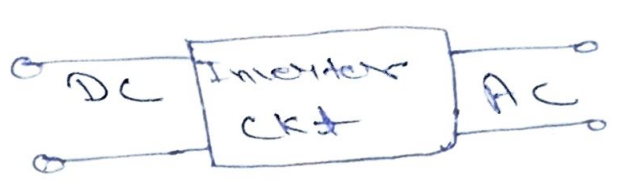


Q10.

Inverter DC voltage को AC voltage में बदलने की प्रक्रिया को Inverter कहते हैं।

जैसा कि हम जानते हैं भारत में AC Power की आवृत्ति 50 Hz होती है।

अगर जहाँ Power Situation में Power प्राप्त नहीं होता है तो DC हम Power स्टोरेज रखते हैं। Inverter उसे आवश्यकतानुसार आवृत्ति देता है।



* कार्यविधि :- Inverter का सबसे निम्नलिखित चरण स्विचिंग पर आधारित होता है, तथा स्विच की स्थिति 1 तथा 2 को मध्य बंदूत वेजी से स्विच 1, से 2 तथा 2 से 3 के मध्य वेजी से connect किया जाये तथा किली की स्थिति पर स्विच का रखा जाये तो T/F की दूसरी काइडींग पर AC वोल्टेज प्राप्त होगी।

हालांकि इस परिपथ में इनपुट के रूप में D.C. ही जा रहा है।
 स्विच की स्थिति 1 पर होने पर करंट A से B की ओर प्रवाहित
 हो लेता है। और स्विच की स्थिति बदलने पर करंट C से B
 तक तब तक प्रवाहित होगी।

इस प्रकार धारा की दिशा बदलने पर सैलमंडरी वाइंडिंग से पर
 माउटपुट टर्मिनल पर A.C. वोल्टेज प्राप्त होगी इस वोल्टेज की
 मापदंड स्विच की स्थिति के बदलने की तीव्रता पर निर्भर करेगी
 जितनी तेजी से स्विच की स्थिति बदलेगी A.C. वोल्टेज की
 मापदंड इतनी ही अधिक होगी।

